प्रकाशन तिथि : 15 मार्च, 2025
प्रेषण तिथि : 19 मार्च, 2025

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 29 | अंक 01 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रतिः रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

पूर्वजों के त्याग से अक्षुण्ण रही भारतीय संस्कृतिः संघप्रमुख श्री

(संघप्रमुख श्री का तीन दिवसीय कच्छ प्रवास संपन्न)

भगवान ने हमें उस कौम में जन्म दिया है जो स्वयं के लिए कभी जीयी ही नहीं। 4 वर्ष से लेकर 80 वर्ष तक की उम्र के हमारे पूर्वज सदैव से दूसरों के लिए जीते आए हैं। त्याग की पराकाष्ठा को उन्होंने जीया है। भारत की संस्कृति यदि अक्षुण्ण रही है तो इस त्याग की प्रवृत्ति के कारण ही रही है। आज हम अपने पूर्वजों को लेकर गौरवान्वित तो होते हैं लेकिन क्या हम उनके त्याग का भी अनुकरण करते हैं? यदि हम उनके कर्मों से अपने कर्मों की तुलना करेंगे तो दूसरे तो क्या हम स्वयं भी नहीं कह सकेंगे कि हम उनकी ही संतान हैं। जो त्याग भगवान राम ने किया, भरत ने किया, माता सीता ने किया, राजा हरिश्चंद्र, दिलीप और शिवि ने किया, दुगार्दास और प्रताप ने किया, क्या वह त्याग हमारे जीवन में है? यदि हम अंतरावलोकन करेंगे तो हमको पता चलेगा कि वह त्याग का गुण हमारे भीतर सुप्त हो गया है। उस त्याग को पुनः हमारे जीवन में प्रतिष्ठापित करने के लिए ही पूज्य तनसिंह जी ने 78 वर्ष पहले श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना की। उपर्युक्त बात माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने 8 मार्च को गुजरात में कच्छ प्रांत की रापर तहसील के गेड़ी गांव में आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने आगे कहा कि हमारा रक्त अपनी विशेषता क्यों नहीं दिखा पा रहा है क्योंकि दीर्घकाल तक लड़ते-लड़ते हम थक गए और जो थक जाता है वह सो जाता है। यदि व्यक्ति थककर कुछ समय विश्राम करने लग जाए तो कोई बुरा नहीं है लेकिन वह ऐसा विश्राम करने लग जाए कि फिर उठे ही नहीं तो फिर उस विश्राम और मृत्यु में कोई अंतर नहीं है। हम ऐसे ही विश्राम में आ गए हैं जिससे हम उठ नहीं पा रहे हैं। हम मोह, आलस्य और प्रमाद में फंस गए हैं। उस आलस्य को, उस प्रमाद को मिटाने का कार्य श्री क्षत्रिय युवक संघ करता है। समाज को सुप्तावस्था से जागृतावस्था में लाने का कार्य संघ कर रहा है। लेकिन जगाने के लिए पहले संपर्क में आना आवश्यक है। संघ इसीलिए आपसे संपर्क करने यहां आया है।

माननीय संघप्रमुख श्री 8 से 10 मार्च तक गुजरात के कच्छ प्रांत में प्रवास पर रहे। 8 मार्च को उनके सान्निध्य में गेड़ी के अतिरिक्त भुज स्थित जाड़ेजा बोर्डिंग में और मोटी चिरई गांव में भी स्नेह मिलन आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में उपस्थित समाज बंधुओ से संवाद करते हुए संघप्रमुख श्री ने कहा कि आज अनेकों संस्थाएं हम हमारे समाज में देखते हैं। गांव-गांव में हमने अनेक प्रकार के संगठन और संस्थाएं बना रखी हैं। विश्व में कहीं इतनी संस्थाएं नहीं हैं जितनी भारत में हैं और भारत में जितने राजपूतों के संगठन हैं उतने किसी दूसरी जाति के संगठन या संस्थाएं नहीं हैं।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

कार्यक्षेत्र बढ़ने के साथ बढ़ी हैं संघ से अपेक्षाएंः सरवड़ी

(संघशक्ति में पंचायती राज परिसीमन पर कार्यशाला का आयोजन)

समाज का चारित्रिक रूप से उत्थान हो, समाज में क्षत्रियोचित संस्कारों का निर्माण हो, इस उद्देश्य को लेकर ही श्री क्षत्रिय युवक संघ समाज में कार्य करता है। यह कार्य करते-करते संघ का कार्य क्षेत्र इतना विस्तृत हो गया है कि समाज अब संघ से यह अपेक्षा करने लगा है कि समाज की जो अन्य समस्याएं हैं, उनको लेकर भी संघ कार्य करें। अपने मुख्य कार्य को करते हुए संघ समाज की इन अपेक्षाओं को भी पूरा करने का प्रयत्न विभिन्न आनुषंगिक संगठनों, प्रकोष्ठों आदि के माध्यम से करता है। उसी के अनुरूप आज का यह कार्यक्रम भी रखा गया है जिसमें पंचायती राज परिसीमन की प्रक्रिया को लेकर समाज में जागरूकता लाने पर चर्चा के लिए आप सब को बुलाया गया है। उपर्युक्त बात श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी ने 27 फरवरी को जयपुर स्थित संघ के केंद्रीय कार्यालय संघशक्ति में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में 'पंचायती राज परिसीमनः प्रक्रिया एवं सावधानियां' विषय पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

संघशक्ति में राजपूत विधायकों का स्नेहभोज

राजस्थान की 15वीं विधानसभा के अंतिम सत्र के दौरान श्री क्षत्रिय युवक संघ के केन्द्रीय कार्यालय संघशक्ति में तात्कालिक राजपूत विधायकों का स्नेह भोज रखा गया था। उसी समय यह तय हुआ था कि 16वीं विधानसभा के प्रत्येक सत्र के दौरान इसी प्रकार विधायकों का अनौपचारिक स्नेह भोज रखा जाएगा जिसमें समाज के विषयों पर चर्चा की जाएगी एवं तद्नुसार योजना बनाकर सामूहिक प्रयास किए जाएंगे। उक्त निर्णय की अनुपालना में अब तक हुए दो सत्रों के दौरान ऐसे कार्यक्रम रखे गये एवं वर्तमान में चल रहे सत्र के दौरान विगत 27 फरवरी की शाम ऐसा ही स्नेह भोज संपन्न हुआ। इस बार केबिनेट मंत्री गजेन्द्र सिंह जी खींवसर, राज्यवर्धन सिंह जी राठौड़ के अलावा जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह जी व विधायक बाबू सिंह जी राठौड़, चन्द्रभान सिंह जी आक्या, पुष्पेन्द्र सिंह जी राणावत, हमीर सिंह जी भायल, रविन्द्र सिंह जी भाटी, छोटूसिंह जी भाटी, महंत प्रताप पुरी जी, देवी सिंह जी बानसूर, कल्पना देवी जी कोटा, मनोज जी न्यांगली उपस्थित हुए। इनके साथ साथ ही विगत विधानसभा चुनाव में विधायक प्रत्याशी रहे प्रेम सिंह जी बाजोर, मान सिंह जी किनसरिया, जितेन्द्र सिंह जी सांवराद, करणी सिंह जी लाडनूं, स्वरूप सिंह जी खारा व भाजपा के प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी भी शामिल हुए। स्नेह भोज से पूर्व माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी के सानिध्य में विभिन्न विषयों यथा EWS सरलीकरण, पंचायतीराज व अन्य स्थानीय चुनावों में EWS आरक्षण, राज्य की मंत्री परिषद में राजपूत विधायकों की भागीदारी, राजनीतिक नियुक्तियों व पार्टियों की संगठनात्मक नियुक्तियों में राजपूत राजनेताओं की भागीदारी व राजपूत अधिकारियों का उनकी योग्यतानुसार पदस्थापन पंचायती राज परिसीमन आदि विषयों पर चर्चा हुई। सभी ने तय किया कि मुख्यमंत्री जी से समय लेकर सभी को माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी के नेतृत्व में सामूहिक रूप से मिलकर इस विषय पर चर्चा करनी चाहिए। मुख्यमंत्री जी से बात कर समय लेने का दायित्व राज्यवर्धन सिंह जी, बाबू सिंह जी, पुष्पेन्द्र सिंह जी आदि को सौंपा गया।

गुरुग्राम में एक दिवसीय बैठक का आयोजन

श्री क्षत्रिय युवक संघ के दिल्ली एनसीआर प्रांत के गुरुग्राम में वहां कार्य कर रहे आई टी प्रोफेशनल्स की एक दिवसीय बैठक का आयोजन राजपूत वाटिका में किया गया। संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से बताया एवं कहा कि लक्ष्य निश्चित और स्थाई होता है लेकिन उस लक्ष्य को प्राप्त करने के साधन समय और परिस्थितियों के साथ बदलते रहते हैं। हमें भी समाज जागरण के अपने उद्देश्य के लिए युगानुकूल साधनों के प्रयोग के लिए तैयार रहना है और स्वयं को अद्यतन बनाना है। समाज की वैचारिक जड़ता को तोड़ने के लिए पूज्य तनसिंह जी ने विचार क्रांति का सूत्रपात किया एवं समाज को आधार भूमि बनाकर वैयक्तिक जीवन के उच्चतम लक्ष्य को प्राप्त करने का मार्ग प्रदान किया। उनकी विचार क्रांति केवल विचारों में बदलाव लाकर अपनी इतिश्री नहीं कर लेती बल्कि उन विचारों के अनुरूप आचरण का अभ्यास करवा कर उन विचारों को जीवन में चरितार्थ भी करती है। बैठक में पूज्य तनसिंह जी रचित समाज चरित्र पुस्तक के एक अवतरण पर विस्तार से चर्चा कर संघ के सैद्धांतिक पक्ष को जानने का प्रयास किया गया एवं खेलों में उसका व्यवहारिक अभ्यास भी किया गया। कार्यशाला में भूपेंद्र सिंह खारी, विक्रम सिंह नरुका की ढाणी, लोकेश सिंह काकड, यशवंत सिंह नीरपुर हरियाणा, शक्ति सिंह पलाडा, जीवराज सिंह मेघाना, दीपेंद्र सिंह लुनियावास, सतिंदर सिंह छोटा कारंगा, पंकज सिंह साल्ट अल्मोड़ा, अरविंद सिंह रामचितोनी, जितेंद्र सिंह सामी, प्रताप सिंह दाबड़ी, रेवंत सिंह बसई, रघुवीर सिंह कीलचू , अमन सिंह दिवराला , गजेन्द्र सिंह कादु , कुलदीप सिंह पांचुडाला, सुरेंद्र सिंह दौलतपूरा, दीपेंद्र सिंह पलाडा आदि सहयोगी उपस्थित रहे।

बाड़मेर और शेरगढ़ में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की बैठकें

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के बाड़मेर जिले के सहयोगियों की बैठक 10 मार्च को बाड़मेर जिला मुख्यालय पर आयोजित हुई। बैठक में संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने बाड़मेर जिले में फाउंडेशन की आगामी कार्ययोजना को लेकर सभी के साथ चर्चा की। इस दौरान फाउंडेशन के केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य महेंद्र सिंह तारातरा, बाड़मेर जिला प्रभारी नरेशपाल सिंह तेजमालता, जैसलमेर जिला प्रभारी कमल सिंह भैंसड़ा सहित आजाद सिंह शिवकर, डॉ सवाई सिंह तेजमालता, डूंगर सिंह कवास, गणपत सिंह हूरो का तला, कान सिंह खारा, नवरत्न सिंह, गणपत सिंह दानजी की हौदी, जसपाल सिंह चूली, स्वरूप सिंह खारा, जालम सिंह मीठडा, जसवंत सिंह तेजमालता, हिन्दू सिंह म्याजलार आदि सहयोगी उपस्थित रहे। 10 मार्च को ही जोधपुर जिले की शेरगढ़ विधानसभा की कार्यविस्तार बैठक राजपूत सभा भवन, शेरगढ़ में आयोजित हुई। बैठक में फाउंडेशन के उद्देश्य, आगामी कार्ययोजना सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई। इस दौरान भोम सिंह सेखाला, सुरेन्द्र सिंह तेना, जालम सिंह शेरगढ़, देवी सिंह बामनू, सवाई सिंह तेना, भगवान सिंह केसुंबला, देवी सिंह भूंगरा आदि समाजबंधु उपस्थित रहे।

खेजड़ला, संभाड़िया और रणसीगांव में करियर काउंसलिंग कार्यक्रम

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में जोधपुर जिले के खेजड़ला, संभाड़िया और रणसीगांव में 10 मार्च को करियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा एवं रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित जानकारी दी गई, साथ ही योग्य विद्यार्थियों को वर्तमान में चल रहे केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (CUET) के आवेदन करने हेतु भी प्रेरित किया गया। इन कार्यक्रमों में संघ के भोपालगढ़ बिलाड़ा प्रांत प्रमुख चैन सिंह साथीन, तेज सिंह सोवणिया, अजीत सिंह रुदिया, वीरेंद्र सिंह बलरिया, रामनारायण सिंह खेजड़ला, पृथ्वी सिंह रणसीगांव, भवानी सिंह रणसीगांव और नरेंद्र सिंह संभाड़िया सहित विद्यार्थीगण एवं स्थानीय समाजबंधु उपस्थित रहे।

खातोली में ऐतिहासिक स्थल पर अतिक्रमण का किया विरोध

कोटा जिले के खातोली कस्बे में स्थित कंवर बाग की रियासत कालीन भूमि और प्राचीन स्थलों पर अतिक्रमण और भूमि आवंटन के विरोध में स्थानीय राजपूत समाज द्वारा 9 मार्च को बंद का आयोजन कर आक्रोश जताया गया। श्री क्षत्रिय महासभा पीपल्दा के आह्वान पर आयोजित बंद में पूरे कस्बे के बाजार बंद रहे और समाज बंधुओं ने कंवर बाग पर एकत्रित होकर वहां स्थित समाधियों से अतिक्रमण हटाने की मांग रखी। इस पर पीपल्दा तहसीलदार अरुण सिंह व इटावा पुलिस उपाधीक्षक शिवम जोशी मौके पर पहुंचे और प्रशासन द्वारा समाधि स्थल से अस्थाई सामान हटाया गया। समाजबंधुओं ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों की मिलीभगत से ऐतिहासिक महत्त्व की भूमि का गलत तरीके से आवंटन किया गया है। जब तब गलत तरीके से किया यह आवंटन रद्द करके दोषियों पर कार्रवाई नहीं की जाती तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इस अवसर पर श्री क्षत्रिय महासभा पीपल्दा के अध्यक्ष बृजराज सिंह संस्था के अन्य सदस्यों सहित उपस्थित रहे।

मोहनगढ़ (जैसलमेर) में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की दो दिवसीय कार्यशाला

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की जैसलमेर टीम की दो दिवसीय कार्यशाला मोहनगढ़ स्थित रतन बाल उच्च माध्यमिक विद्यालय में 8-9 मार्च को आयोजित की गई। कार्यशाला में श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने संघ एवं फाउंडेशन के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से बताया। पूज्य श्री तनसिंह जी द्वारा लिखित समाज चरित्र पुस्तक के अवतरण 'व्यक्तिवाद' पर विस्तार से चर्चा हुई जिसमें बताया गया कि सामाजिक क्षेत्र में कार्य करते समय व्यक्तिवाद को तिलांजलि देकर अपने आप को समूह का अंग बनाकर कार्यशील होना पड़ता है। व्यक्तिवाद को समाप्त किए बिना समाज में सहयोग की सच्ची भावना नहीं पनपाई जा सकती। इसीलिए संघ अपनी शाखाओं और शिविरों में सामूहिक जीवन का अभ्यास कराते हुए व्यक्तिवाद की प्रवृत्ति पर चोट करता है। कार्यशाला में संघ के जैसलमेर संभाग प्रमुख गणपत सिंह अवाय, रामगढ़ प्रांत प्रमुख पदम सिंह रामगढ़, फाउंडेशन के जिला प्रभारी कमल सिंह भैंसड़ा सहित तारेंद्र सिंह झिनझिनयाली, घेंवर सिंह मोहनगढ़, चंद्रवीर सिंह बालाना, सूरजपाल सिंह बडोडा गांव, रतन सिंह बारु, चंद्रवीर सिंह हमीरा, हिंदू सिंह म्याजलार, कंवराज सिंह डेलासर, प्रेम सिंह मोहनगढ़ सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे।

इंदौर में हर्षोल्लास से मनाया फागोत्सव

मध्यप्रदेश में इंदौर के पूर्वी क्षेत्र में स्थित महाकाल गार्डन में 7 मार्च को राजपूत समाज युवा चेतना मंडल द्वारा फागोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में राजपूत समाज की मातृशक्ति एवं समाज बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मथुरा व वृंदावन से आए कलाकारों ने भजन और मालवी गीतों की प्रस्तुतियां दीं। संस्था के महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा रेणु परिहार ने कृष्णा ठाकुर, खुशबू बैंस, अंतिमा तोमर आदि के सहयोग से व्यवस्था संभाली। राजपूत युवा चेतना मंडल के अध्यक्ष सुनील सिंह उमठ भी अन्य पदाधिकारियों सहित उपस्थित रहे।

अलवर में राजपूत सभा भवन का लोकार्पण व प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

अलवर के अंबेडकर नगर में नवनिर्मित राजपूत सभा भवन का लोकार्पण 09 मार्च को संपन्न हुआ। लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह सभा भवन अलवर में राजपूत समाज की गतिविधियों का केंद्र बने और यहां से सभी को सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त हो इसका हमें प्रयास करना चाहिए। बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सामूहिक रूप से किए गए प्रयत्न

अवश्य परिणाम लाते हैं इसलिए ईडब्ल्यूएस सरलीकरण सहित अन्य सामाजिक मुद्दों पर हम सभी को मिलकर कार्य करना होगा। आरटीडीसी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने कहा कि यह सभा भवन विभिन्न सामाजिक आयोजनों हेतु उपयोगी सिद्ध होगा और क्षेत्र में सामाजिक भाव की वृद्धि में सहायक होगा। उन्होंने ईडब्ल्यूएस आरक्षण के केंद्रीय सेवाओं में सरलीकरण की मांग रखते हुए कहा कि जिस प्रकार राजस्थान में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने ईडब्ल्यूएस की विसंगतियों को दूर किया, उसी प्रकार केंद्र में भी सरलीकरण के लिए हमारे समाज के राजनेताओं को प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजपूत सभा अलवर के जिलाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह चौहान ने की। समारोह के दौरान सैकड़ो भामाशाह एवं जनप्रतिनिधियों को सम्मानित भी किया गया। विंग कमांडर मंगल सिंह, रमेश सिंह चौहान, नरेंद्र सिंह राठौड़, बृजेंद्र सिंह बबेली, दिनेश सिंह राघव, सूरजभान सिंह गौड़ सहित अनेकों समाजबंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

बलेखण में समारोह पूर्वक मनाई उग्रसेन जी की जयंती

जयपुर जिले में चोमू तहसील के बलेखण गांव में उग्रसेन शेखावत शाखा के प्रवर्तक उग्रसेन जी की 450वीं जयंती 02 मार्च को समारोह पूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह शाहपुरा ने कहा कि शेखा जी और उग्रसेन जी जैसे हमारे पूर्वजों से प्रेरणा लेकर हमें क्षात्र धर्म का पालन करना चाहिए। स्वयं से पहले दूसरों का हित सोचना और उसके लिए किसी भी त्याग व बलिदान से पीछे न हटना ही क्षत्रिय की विशेषता होती है। हमारी यह विशेषता लुप्त नहीं होनी चाहिए, अन्यथा हमारी पहचान ही मिट जाएगी। कार्यक्रम में प्रहलादसिंह गुढागोडजी, रघुवीरसिंह राठौड़, करणसिंह सांनदरसर, संपतसिंह

दिवराला, कृष्णवर्धनसिंह गुढागोडजी, श्री क्षत्रिय युवक संघ के संभाग प्रमुख रामसिंह आकदडा, सुरेंद्रसिंह इटावाभोपजी, दिलीप सिंह महरोली आदि ने भी अपने विचार रखे एवं क्षत्रिय समाज के महान पूर्वजों से प्रेरणा लेकर वर्तमान चुनौतियों से मुकाबला करने व समाज में आ रही बुराइयों को दूर करने के लिए कार्य करने की बात कही। सुल्तान सिंह बलेखण ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम का संचालन संपतसिंह धमोरा द्वारा किया गया। श्री शेखावत उग्रसेन समिति के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में आस-पास के गांवों से अनेकों समाजबंधु मातृशक्ति सहित उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समिति की आगामी 3 वर्ष हेतु नई कार्यकारिणी का गठन भी किया गया जिसमें धीरसिंह पणदो को अध्यक्ष, मनोहरसिंह जालिमसिंहकाबास को उपाध्यक्ष व कर्मवीरसिंह दिवराला को सचिव मनोनीत किया गया।

समारोह पूर्वक मनाई राजा रायसल खंडेला की जयंती

राजा रायसल खंडेला जयंती समारोह आयोजन समिति के तत्वावधान में जयपुर के झोटवाडा में स्थित संघशक्ति भवन में राजा रायसल खंडेला की 486वीं जयंती 9 मार्च को समारोह पूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम को महंत महावीर जति, प्रताप भानु सिंह शेखावत, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, कांग्रेस नेता यशवर्धन सिंह झेरली, शोभल खंडेला आदि वक्ताओं ने संबोधित किया और राजा रायसल के जीवन चरित्र को सभी के लिए प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि रायसल जी ने अपने पुरुषार्थ से यह सिद्ध किया कि वीरता साधन, संपत्ति अथवा सत्ता पर निर्भर नहीं करती हैं। रायसल जी ने अपने बड़े भाई की चुनौती के प्रत्युत्तर में स्वयं अपना नया राज्य स्थापित कर यह बताया कि वीरता जागीर से बड़ी होती है। ऐसे वीर पूर्वजो से हमें भी पुरुषार्थ की प्रेरणा लेनी चाहिए और समाज व राष्ट्र को मजबूत बनाने में योगदान देना चाहिए। मंच संचालन जयपाल सिंह मांडोता ने किया। समारोह के संयोजक विक्रम सिंह जालुंड ने बताया कि समारोह में गोविंद सिंह खंडेला, गिरधर प्रताप सिंह खंडेला, सुरेंद्र सिंह ढढार, राघवेंद्र सिंह मनोहर, विनोद कंवर धानक्या, जोगेंद्र सिंह सांवरदा सहित समाज के अनेक लोग शामिल हुए।

हिण्डौन सिटी में होली मिलन और प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

करौली जिले में हिण्डौन सिटी के वृन्दावन रिसोर्ट में राजपूत समाज का होली स्नेह मिलन और प्रतिभा सम्मान समारोह 2 मार्च को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बाड़ी के पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा ने कहा कि युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना आवश्यक है जिससे उनमें आगे बढ़ने की प्रेरणा लगातार बनी रहे। श्री राजपूत सभा करौली के जिला अध्यक्ष अजय सिंह जादौन ने आपस में मिल कर रहने और समाज हित को प्राथमिकता देने की बात कही। केशर नरूका ने महिला शिक्षा और चरित्र निर्माण पर जोर देते हुए मातृशक्ति और युवा पीढ़ी से समाज और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी हेतु आह्वान किया। कार्यक्रम में अल्पायु में घुड़ सवारी के लिए राज्य स्तरीय सम्मान प्राप्त करते हुए दो रजत और दो कांस्य पदक जीतने वाली बालिका धानवी पिचानौत सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिला क्रिकेट एसोसिएशन के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अजय सिंह जादौन, करौली जिला भाजपा अध्यक्ष गोवर्धन सिंह जादौन, जिला शिक्षा अधिकारी सीमा सिंह सनेठ सहित अनेकों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सीकर में सिंहासन की स्मृति में 'प्रेरणा स्थल' का निर्माण

सीकर स्थित प्रताप इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस में ठाकुर प्रताप सिंह सिंहासन की स्मृति में निर्मित 'प्रेरणा स्थल' का लोकार्पण 8 मार्च को समारोह पूर्वक किया गया। कार्यक्रम को

संबोधित करते हुए केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि यह प्रेरणास्थल हमारी गौरवशाली विरासत का प्रतीक है। स्वर्गीय प्रताप सिंह जी सिंहासन अपने श्रेष्ठ कर्मों और जीवन मूल्यों के करण सदैव सम्माननीय रहे हैं। उनकी स्मृति में निर्मित यह प्रेरणा स्थल युवा पीढ़ी को उनके बताए आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देगा। कार्यक्रम में स्व. प्रताप सिंह जी की धर्मपत्नी मान कंवर की भी उपस्थिति रही।

संपादकीय

प्रतिभा, अहंकार और त्याग

प्रतिभा का सामान्य अर्थ है अन्यों की तुलना में विशेष योग्यता। जो व्यक्ति किसी विशेष कार्य को अन्य लोगों की तुलना में अधिक कुशलता से, तीव्रता से और सरलता से करने में सक्षम होता है, उसे उस कार्यक्षेत्र के संदर्भ में प्रतिभाशाली कहा जाता है। यद्यपि संपूर्ण सृष्टि ही परमात्मा की अभिव्यक्ति है और इसीलिए इसके किसी एक अंश को प्रतिभावान और अन्य को प्रतिभाहीन मानना मूल रूप में एक भ्रांति ही है क्योंकि परम सत्ता की प्रत्येक अभिव्यक्ति अपने आप में उतनी ही विशिष्ट, महत्वपूर्ण और प्रतिभावान है जितनी कि कोई अन्य। तथापि, प्रकृति के प्रभाव में जीवन जीते हुए प्रकृतिगत व्यवहारिक तथ्यों की पूर्णतया अवहेलना नहीं की जा सकती और प्रतिभा भी ऐसा ही एक तथ्य है। प्रतिभा प्रकृति द्वारा प्रदत्त एक ऐसा उपहार है जो व्यक्ति को अन्यों से विशेष क्षमताएं प्रदान करता है और उन क्षमताओं के बल पर वह किसी विशिष्ट क्षेत्र में दूसरों का, जो उस क्षेत्र में उससे कम प्रतिभा या क्षमताएं रखते हैं, नेतृत्व करने की भूमिका में पहुंच जाता है। यह मनोवैज्ञानिक तथ्य है कि हम अन्य व्यक्तियों की उस विशेषता से ही प्रभावित होते हैं जो हमारे भीतर नहीं होती इसलिए उनके प्रभाव को स्वीकार कर हम उन्हें चेतन अथवा अवचेतन रूप में अपने नेतृत्व का अधिकार सौंपते हैं। इसलिए यह कहा जा सकता है कि व्यवहारिक रूप में मानव समाज का प्रतिभाशाली वर्ग ही उसका नेतृत्व करता है और शोध बताते हैं कि समूह में रहने वाले अन्य प्राणियों के संबंध में भी यही सत्य है कि अधिक क्षमतावान व प्रतिभावान सदस्य ही उस समूह के अन्य सदस्यों का नेतृत्व करते हैं।

जैसा कि आलेख में पूर्व में कहा गया कि एक ही सत्ता के अंश होने के कारण प्रत्येक व्यक्ति उसी की प्रतिभा का प्रतिनिधित्व करता है और इसलिए आदर्श समाज में उसके हर अंश की प्रतिभा को पुष्पित-पल्लवित होने का पर्याप्त अवसर उपलब्ध होना चाहिए और उसके लिए उसको आवश्यक सहयोग भी मिलना चाहिए लेकिन यथार्थ में समाज के तत्कालीन जीवन मूल्यों के अनुरूप जो प्रतिभा होती है वही सर्वाधिक प्रतिष्ठा और महत्व पाती है। उदाहरणार्थ वर्तमान समय में रोजगार परक शिक्षा को अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है और उसी के अनुरूप अकादमिक शिक्षा के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वालों को प्रतिभावान माना जाता है, धन और सत्ता की अधिक प्रतिष्ठा के कारण धन और सत्ता प्राप्त करने में सक्षम व्यक्ति प्रतिभावान माना जाता है, विचार प्रधान युग के कारण लेखकों, विचारकों आदि को अधिक प्रतिभावान समझा जाता है और इसी प्रकार अन्य क्षेत्रों में भी समसामयिक जीवन मूल्यों के अनुरूप पड़ने वाली प्रतिभा को तुलनात्मक रूप से अधिक प्रतिष्ठा प्रदान की जाती है। वर्तमान में भी देखते हैं कि प्रत्येक समाज इन क्षेत्रों में अपनी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित और सम्मानित करने के लिए प्रतिभा सम्मान समारोहों आदि का आयोजन भी करता है। लेकिन प्रतिभा को प्रतिष्ठित करने के इस उपक्रम में एक महत्वपूर्ण सत्य उपेक्षित हो जाता है, वह है - प्रतिभा के साथ जुड़े चरित्र का निर्माण। यह विचार करने योग्य है कि आज शिक्षा, रोजगार जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ी हुई प्रतिभाएं समाज और उसके आदर्शों के प्रति कितनी निष्ठा रखती है? प्रतिभा के बल पर प्राप्त धन और सत्ता क्या उस धनवान और सत्ताधारी में सामाजिक दायित्वबोध को भी जागृत करते हैं? विचार, भाषण और लेखन की प्रतिभा क्या समाज में सकारात्मकता के सृजन में अपनी भूमिका निभाती हुई दिखाई देती है? चिंतन करने पर इन प्रश्नों के उत्तर नकारात्मक ही प्राप्त होंगे। इसीलिए यह समझना आवश्यक है कि प्रतिभा महत्वपूर्ण अवश्य है लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि वह प्रतिभा किस प्रकार के चरित्र के साथ जुड़ती है क्योंकि इसी से यह निश्चित होगा कि वह प्रतिभा अंततः समाज के लिए उपयोगी होकर उसे श्रेष्ठता की ओर ले जाने वाली बनेगी अथवा उस प्रतिभा के धारक व्यक्ति के अहंकार और महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए सामाजिक हितों की उपेक्षा करने वाली बनेगी। प्रतिभा भले ही किसी व्यक्ति को प्रकृति से प्राप्त होने वाला उपहार है लेकिन उस प्रतिभा के धारक का चरित्र उस व्यक्ति के स्वयं के प्रयासों और उसके पारिवारिक व सामाजिक वातावरण द्वारा निर्मित होता है। इसलिए व्यक्ति और समाज, दोनों को इस संबंध में सावधानी रखना आवश्यक है कि प्रतिभा का धारक किस प्रकार का चरित्र धारण करता है।

प्रतिभा चूंकि व्यक्ति को अन्यों से विशेष बनाती है इसलिए वह व्यक्ति में अहंकार को जगाने की प्रबल संभावना भी साथ लाती है। अहंकार के साथ प्रतिभा का जुड़ना उस प्रतिभा को कलुषित कर देता है और वह व्यक्ति की तुच्छ महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का साधन मात्र बन कर रह जाती है। समाज के सामूहिक स्वरूप के लिए उस प्रतिभा की जो उपयोगिता हो सकती थी उसकी संभावना अहंकार के कलुष के कारण समाप्त हो जाती है। ऐसे में प्रतिभा को धारण करने वाले व्यक्ति एवं उस व्यक्ति के चरित्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले समाज, दोनों का यह दायित्व बनता है कि वे प्रकृति प्रदत्त प्रतिभा को अहंकार द्वारा कलुषित होने से बचाएं एवं उसे व्यापक और समाज सापेक्ष बनाएं। प्रतिभा को व्यापक और समाज सापेक्ष बनाने का मार्ग है उसे त्याग पूर्ण चरित्र के साथ संयोजित करना। त्याग का आधार पाकर ही प्रतिभा सच्चे अर्थों में विस्तारित हो सकती है और व्यक्ति और समाज दोनों के विकास में अपनी भूमिका निभा सकती है। किसी भी प्रतिभा की श्रेष्ठतम परिणीति यही है कि वह उन लोगों के लिए भी उपयोगी बने जिनके पास वह विशिष्ट प्रतिभा नहीं है। सामाजिक अन्योन्याश्रितता अर्थात समाज के सामूहिक और सहयोगी स्वरूप का इसी प्रकार से विकास हो सकता है। पूज्य श्री तनसिंह जी ने इसीलिए अपनी पुस्तक 'साधना पथ' में लिखा है कि - 'प्रतिभा तो प्रकृति की किसी व्यक्ति विशेष को प्रदत्त वह सामाजिक थाती है, जिसका सदुपयोग प्रतिभावान के असाधारण बनने में नहीं, किंतु साधारण लोगों के प्रतिभावान बनने में है।' इसलिए यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रकृति द्वारा प्रदत्त प्रतिभा के अवतरण के लिए त्याग पूर्ण चरित्र की उपजाऊ आधारभूमि उपलब्ध कराई जाए, न कि उसे अहंकार के दलदल में फंस कर नष्ट होने दिया जाए। श्री क्षत्रिय युवक संघ इसीलिए समाज में त्याग की प्रवृत्ति को स्थापित करने के लिए कार्य कर रहा है, साथ ही अहंकार को गलाकर समाज की सामूहिकता में स्वयं को नियोजित करने का अभ्यास अपनी सामूहिक संस्कारमयी प्रणाली के माध्यम से करा रहा है जिससे व्यक्ति की प्रतिभा अहंकार से कलुषित होने की अपेक्षा सामाजिक न्यास के रूप में पूरे समाज के लिए उपयोगी बन सके।

राजपूत सभा भवन जयपुर में मनाया फागोत्सव, ई-लाइब्रेरी का लोकार्पण

जयपुर स्थित श्री राजपूत सभा भवन में 7 मार्च को मातृशक्ति द्वारा फागोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में 150 से अधिक मातृशक्ति ने पारंपरिक पहनावे के साथ सहभागिता निभाई एवं लोकगीतों के साथ राजस्थानी घूमर व अन्य लोक नृत्यों की प्रस्तुतियां दी गईं। हेमेंद्र कुमारी दूदू ने कार्यक्रम का संयोजन किया। सायर कंवर ने सभी मातृशक्ति का अबीर गुलाल से तिलक लगाकर स्वागत किया। इस अवसर पर राजपूत सभा भवन में नवनिर्मित ई-लाइब्रेरी भवन का लोकार्पण भी किया गया। सांसद कोटे से निर्मित ई-लाइब्रेरी का लोकार्पण जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह एवं पूर्व सांसद रामचरण बोहरा ने किया। सभा अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई ने बताया कि ई-लाइब्रेरी में आर्यावर्त के राजपूत इतिहास के साथ ही विभिन्न विषयों की बहुआयामी जानकारियां संग्रहित रहेंगी जिन्हें पाठक कंप्यूटर के माध्यम से डिजिटल रूप में पढ़ सकेंगे। कार्यक्रम में राजपूत सभा के उपाध्यक्ष प्रताप सिंह राणावत, संगठन मंत्री धीर सिंह शेखावत, सहमंत्री मोहन सिंह बगड़ सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

हनवंत राजपूत छात्रावास में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

जोधपुर स्थित श्री हनवंत राजपूत छात्रावास में श्री हनवंत एजुकेशनल सोसायटी के तत्वावधान में 6 दिवसीय इंटर ब्लॉक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 2 से 7 मार्च तक हुआ। सोसायटी के सचिव राजेंद्र सिंह लीलिया व खेल समिति के अध्यक्ष कान सिंह राठौड़ ने बताया कि इस दौरान फुटबॉल, बास्केटबॉल, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक, भाला फेंक, तश्तरी फेंक सहित अनेकों खेलों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिनमें छात्रों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में सोसायटी के उपाध्यक्ष डॉ. युद्धवीर सिंह राठौड़ व खेल अधिकारी भरत गुर्जर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कुरीतियों की समाप्ति का संकल्प लिया

जैसलमेर जिले में जसोड़वाटी क्षेत्र में सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने हेतु चल रहे अभियान के क्रम में 7 मार्च को सांवला गांव में सर्व समाज की बैठक का आयोजन हुआ जिसमें सर्वसम्मति से विभिन्न कुरीतियों को रोकने के संबंध में निर्णय लिए गए। इनमें विवाह के समय डीजे फ्लोर बंद करने, गोल टेबलों के स्थान पर बाजोट का प्रयोग करने, थालों की संख्या अधिकतम 21 रखने आदि के निर्णय लिए गए। शोक के अवसर पर नशे पर पूर्ण पाबंदी सहित अन्य निर्णय भी लिए गए जिन पर उपस्थित ग्रामवासियों ने अपनी सम्मति दी। सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक किशन सिंह भादरिया ने बैठक में कहा कि आने वाली पीढ़ी को नशे की प्रवृत्ति से बचाने एवं समाज से जोड़े रखने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम आवश्यक हैं।

यशपाल राणा बने हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा के महासचिव

ददलाना निवासी यशपाल राणा को हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा का नया महासचिव नियुक्त किया गया है। सभा के मुख्य संरक्षक कुंवर आरपी सिंह (सेवानिवृत आईएएस) की अनुशंसा से उनकी नियुक्ति की गई। उनके साथ ही वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सुरेंद्र सिंह परमार, प्रचार मंत्री के पद पर अजय पाल ठाकुर और मंत्री पद पर नेत्रपाल तंवर की भी नियुक्ति की गई। सभा के अध्यक्ष राव नरेश चौहान ने बताया कि 22 मार्च को हिसार जिले के तलवंडी रुक्का गांव में प्रदेश कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक आयोजित होगी जिसमें परिसीमन 2026 एवं मई माह में बड़े स्तर पर महाराणा प्रताप की जयंती मनाने पर चर्चा की जाएगी।

दिल्ली और गाजियाबाद में होली मिलन आयोजित

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासंघ एवं राजस्थान राजपूत समाज दिल्ली प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में 9 मार्च को दिल्ली के शास्त्री नगर में सुभद्रा कॉलोनी में क्षत्रिय होली स्नेहमिलन का आयोजन किया गया। दोनों संस्थाओं के संरक्षक महंत नारायण गिरी महाराज ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि होली का त्यौहार अपनी बुराइयों का दहन कर स्वयं को भक्त प्रहलाद की भांति पवित्र बनाने का संदेश देता है। भगवान शिव द्वारा तीसरा नेत्र खोलकर कामदेव को भस्म करके उसकी भभूति से अभिषेक किया गया, उसी के बाद होली का त्यौहार मनाया जाने लगा। हमें भी होली के अवसर पर अपने अंदर के विकारों को भस्म करना है। उन्होंने कहा कि होली परिवर्तन व समन्वय का पर्व है, एक दूसरे को मान सम्मान देने और प्रेम के प्रसार का पर्व है। शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि होली का पर्व आपसी एकता और भाईचारे का संदेश देता है। इस अवसर पर अपने आपसी मतभेदों को भुलाकर हमें प्रेम और स्नेह से पूरा वातावरण रंग देना चाहिए। राम कथा वाचक व राष्ट्र मंदिर के संस्थापक अजय भाई ने कहा कि भारतीय संस्कृति तोड़ने की नहीं बल्कि जोड़ने की बात करती है और होली का त्यौहार भी उसी जोड़ने के भाव का प्रतिनिधित्व करता है। समारोह के आयोजक गंगा सिंह काठाड़ी और संयोजक सत्यभान सिंह सिकरवार ने दोनों संस्थाओं के कार्यकताओं के साथ मिलकर व्यवस्था का दायित्व संभाला। गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन स्थित माउंट ग्रीन फार्म हाउस में क्षत्रिय सेवा संघ द्वारा होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। सर्वप्रथम भगवान राम और अन्य देवताओं की पूजा अर्चना कर सुंदरकांड का आयोजन किया गया एवं इसके पश्चात पुष्पों द्वारा होली खेली गई। कार्यक्रम के आयोजन में भानु सिसोदिया, अनिल चौहान, अरुण पुंडीर, आरपी जादौन, प्रदीप भदोरिया, हिमांशु प्रताप सिंह, राजकुमार सोम, एमपी सिंह आदि ने सहयोग किया।

करनाल में राजपूत सभा की बैठक

हरियाणा के करनाल में सेक्टर-8 स्थित महाराणा प्रताप स्मृति भवन में राजपूत सभा की बैठक का आयोजन 9 मार्च को किया गया। बैठक में राजपूत सभा के प्रधान डॉ. नरेंद्र प्रताप सिंह, महासचिव बृजपाल राणा व उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह नंबरदार ने बताया कि 16 मार्च को संस्था द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा जिसमें राजपूत समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं, उत्कृष्ट खिलाड़ियों और बिना दहेज लिए शादी करने वाले परिवारों को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष अजमेर सिंह पंवार, प्रदीप सिंह पधाना, गुरदीप सिंह बीजना, बिशपाल राणा, दीपक राणा, भूप सिंह कतलाहेड़ी, तेजपाल सिंह चौहान, प्रवीण सिंह चौहान, रामपाल सिंह, गौरव, दीपक आदि ने भी अपने विचार रखे।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	**प्रा.प्र.शि (बालिका)**	01.04.2025 से 04.04.2025 तक	**स्थान मार्ग आदि** - मां चंद्रिका महिला महाविद्यालय, छतरपुर रोड, महोबा (उत्तर प्रदेश)।
02.	**प्रा.प्र.शि**	01.04.2025 से 04.04.2025 तक	**स्थान मार्ग आदि** -चौधरी पहलवान सिंह इंटर कॉलेज, ग्राम - इचौली, जिला - हमीरपुर (उत्तर प्रदेश)।
03.	**दम्पति शिविर**	12.04.2025 से 14.04.2025 तक	**चित्तौड़गढ़।** पति-पत्नी में से किसी एक का कम से कम एक प्रा.प्र.शि. किया हुआ हो। शिविर स्व पोषित है।
04.	**प्रा.प्र.शि बालक वर्ग**	12.04.2025 से 14.04.2025 तक	**रामगढ़।** राजपूत छात्रावास, जिला जैसलमेर। शिविर 18 से 35 वर्ष के युवा वर्ग के लिए है।
05.	**प्रा.प्र.शि बालक वर्ग**	09.05.2025 से 12.05.2025 तक	**बावतरा।** श्री कवाय माता मंदिर। तहसील सायला-जालोर बाड़मेर-जालोर हाई-वे पर स्थित। सम्पर्क सूत्रः गजेन्द्रसिंह कोमता-9461453360, इन्द्रसिंह सायला- 9982831051
06.	**उ.प्र.शि बालक वर्ग**	18.05.2025 से 29.05.2025 तक	**उदयपुर।** 10वीं की परीक्षा दी हो। एक मा.प्र.शि. तथा दो प्रा.प्र.शि. किया हो।
07.	**उ.प्रा.शि मातृशक्ति**	23.05.2025 से 29.05.2025 तक	**उदयपुर। 10वीं उत्तीर्ण। कम से कम दो शिविर किए** हुए हो। सायंकालीन प्रार्थना में पारम्परिक। गणवेश-केसरिया साड़ी या पोशाक।

गजेन्द्र सिंह आऊ, शिविर कार्यालय प्रमुख

मीनाक्षी नेगी बनी कर्नाटक की पहली महिला वन प्रमुख

उत्तराखंड के टिहरी जिले के चंबा क्षेत्र के रोलियाल गांव की मूल निवासी मीनाक्षी नेगी को कर्नाटक वन विभाग की पहली महिला वन प्रमुख नियुक्त किया गया है। भारतीय वन सेवा के 1989 बैच की अधिकारी नेगी 2020 से 2024 तक राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य सचिव भी रह चुकी हैं। उन्होंने केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर रहते हुए भारत सरकार के आयुष मंत्रालय में संयुक्त सचिव के रूप में सेवाएं दीं और योग, आयुर्वेद व प्राकृतिक चिकित्सा से संबंधित नीतियों के क्रियान्वयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मीनाक्षी के पिता अतर सिंह नेगी लाल बहादुर शास्त्री प्रशासनिक अकादमी, मसूरी में कार्यरत थे। मीनाक्षी की प्रारंभिक शिक्षा मसूरी के सीजेएम वेवरली विद्यालय से हुई।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

BNB
ॐ
श्री योगेश्वर छात्रावास
कुचामन सिटी
विशेषताएं
1. कक्षा 6 से 12 वीं तक के विद्यार्थियों हेतु सीमित स्थान ।
2. अनुशासित एवं नियमित दिनचर्या ।
3. शुद्ध, पौष्टिक एवं सात्विक आहार ।
4. सभी प्रमुख शिक्षण संस्थाओ के समीप स्थित ।
5. स्वाध्याय हेतु निःशुल्क लाईब्रेरी सुविधा ।
जिम्मेदारी हमारी विश्वास आपका
सम्पर्क सूत्र :
9772097087, 9799995005, 8769190974
SBI बैंक के पास, डीडवाना रोड़, कुचामन सिटी

अलख नयन
आई हॉस्पिटल
Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

(भवानी शिक्षण छात्रावास चौहटन, जय भवानी छात्रावास व कृष्णा छात्रावास बाड़मेर में हुए कार्यक्रम)

विभिन्न शिक्षण संस्थानों में वार्षिकोत्सव कार्यक्रमों का आयोजन

26 फरवरी को चौहटन मुख्यालय पर स्थित भवानी शिक्षण छात्रावास का वार्षिकोत्सव एवं कक्षा बारहवीं का आशीर्वाद समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि दिलीप कुमार सिंह (महाप्रबंधक, साउथ वेस्ट माइनिंग लिमिटेड) ने कहा कि विद्यार्थी काल हमारे जीवन में नींव की भूमिका निभाता है। इस काल में अनुशासन और मेहनत के साथ किया गया अध्ययन आपके आगे के जीवन के लिए आधारभूमि तैयार करेगा। इसलिए आपको असफलता से कभी ना घबराते हुए हर परिस्थिति में दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ते रहना चाहिए। डॉ गणपसिंह राजपुरोहित ने कहा कि छात्रावास का जीवन विशिष्ट होता है जिसके अनुभव आगे आने वाली विभिन्न प्रकार की परिस्थितियों में हमारा मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि एक विद्यार्थी के दो ही सच्चे मित्र होते हैं - एक पढ़ाई का टेबल और दूसरा खेल का मैदान। यही दोनों मित्र आपके व्यक्तित्व का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वालसिंह राठौड़ ने कहा कि विद्यार्थी पढ़ाई के साथ ही स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें और खेल-कूद में सक्रिय रहें। रघुवीर सिंह तामलोर ने कहा कि अपना लक्ष्य बड़ा रखें और उसकी प्राप्ति हेतु लगातार प्रयत्न करते रहे, कभी भी हार ना मानें। संस्थान के अध्यक्ष एडवोकेट रूपसिंह राठौड़ ने कहा कि 12वीं कक्षा के बाद अब आगे के अध्ययन के लिए आप लोग महाविद्यालय में प्रवेश करेंगे। वहां भी इसी प्रकार लगन के साथ अध्ययन करें, आपको सफलता अवश्य मिलेगी। स्वागत उद्बोधन नरपतसिंह दुधवा ने दिया एवं उदयसिंह सोढा ने संस्थान का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले एवं खेलो में राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर चयनित होने वाले इस छात्रावास के विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में दुर्गा कन्या छात्रावास के अध्यक्ष शैतानसिंह सोढा, कमलसिंह मिये का तला, गेनसिंह इंद्रोई, हिन्दुसिंह, भेरसिंह ढोक, नारायणसिंह नवातला, गेनसिंह खारिया, चतरसिंह, स्वरूपसिंह, तनसिंह व उगमसिंह सनाऊ, गुलाबसिंह, महेंद्रसिंह चोहटन, माधोसिंह देदूसर, मोहनसिंह देदूसर सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। गोरधन सिंह सोढा (संचालक, ज्योति हॉस्पिटल) व परबत सिंह बिढाणी ने व्यवस्था में सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन स्वरूपसिंह सईद का तला ने किया।

बाड़मेर स्थित जय भवानी छात्रावास का वार्षिकोत्सव एवं कक्षा बारहवीं का विदाई समारोह 6 मार्च को आयोजित हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक कृष्ण सिंह रानीगाँव (जिला शिक्षा अधिकारी बाड़मेर) ने कहा कि जीवन में जितना शिक्षा का महत्व है उतना ही बल्कि उससे भी अधिक संस्कारों का महत्व है। इसलिए अध्ययन काल में संयमित जीवन जीते हुए मार्ग में आने वाली फिसलनों से बचना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ से निरंतर जुड़े रहने से हमारा जीवन संस्कारित बनेगा और अनुशासित जीवन शैली विकसित होगी जिससे हमारा चारित्रिक विकास होगा। श्री क्षत्रिय युवक संघ के बाड़मेर संभाग प्रमुख महिपाल सिंह चूली ने छात्रों से कहा कि निरंतर उन्नति के साथ साथ अपनी जड़ों से जुड़ा रहना भी आवश्यक है। तनसिंह घोनिया व रिड़मलसिंह दूधवा ने भी छात्रों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया। छात्रावास के व्यवस्थापक जालम सिंह बरियाड़ा ने छात्रावास का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अशोक सिंह भीखसर, तनसिंह जसाई, प्रेम सिंह भियाड़, किशन सिंह कोटड़ा, दशरथ सिंह कोटड़ा, आसकरण सिंह गुमाने का तला, जवान सिंह बावड़ी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कान सिंह दूधवा ने किया। छात्रावास प्रबंधक भगवान सिंह दूधवा ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। श्री कृष्णा छात्रावास दान जी की होदी बाड़मेर में भी वार्षिकोत्सव एवं विदाई समारोह (सत्र 2024-25) का आयोजन 3 मार्च को किया गया। मां सरस्वती एवं पूज्य श्री तनसिंह जी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित के पश्चात छात्रावास के छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। विभिन्न गतिविधियों (अनुशासन, खेल एवं शिक्षा) में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक एवं पुलिस उपाधीक्षक भवानी सिंह मुंगेरिया ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि इस सुदूर सीमावर्ती क्षेत्र में भी छात्रों की शिक्षा के प्रति रुचि, उनकी हिम्मत, उनका अनुशासन प्रशंसनीय है। आप सभी आगे भी परिश्रम, ईमानदारी और अनुशासन के साथ सदैव अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहें और अपने परिवार, समाज और राष्ट्र की आशाओं को पूर्ण करें। प्रधानाचार्य गुलाब सिंह ने आगामी बोर्ड परीक्षा हेतु विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। भंवर सिंह ने युवाओं से नशे और अन्य कुरीतियों से दूर रहने का आह्वान किया। एसबीके महाविद्यालय जैसलमेर के छात्रसंघ अध्यक्ष जसवंत सिंह तेजमालता एवं सुमेर दान रावत का गांव ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में शिव सिंह, जुंझार सिंह, अवतार सिंह, राम सिंह दान जी की होदी बाड़मेर, समुद्र सिंह देदूसर, दुर्जन सिंह छतागढ, उगम दान आरंग, कमल सिंह भैंसड़ा, दानवीर सिंह, मग सिंह, राम सिंह भैंसड़ा, बांक सिंह महाबार, अर्जुन सिंह द्राभा, गणपत सिंह सोढा, अशोक सिंह भीखसर, स्वरूप सिंह मुंगेरिया, छोटू सिंह झिनझिनयाली, हेमेंद्र सिंह आरंग, जितेन्द्र सिंह मंडाई आदि उपस्थित रहे। मंच संचालन विक्रम सिंह चौथिया ने किया। व्यस्थापक सांवल सिंह भैंसड़ा ने सभी का आभार प्रकट किया।

श्रीडूंगरगढ़ में प्रांतीय समीक्षा व कार्ययोजना बैठक संपन्न

श्री क्षत्रिय युवक संघ के बीकानेर संभाग के श्रीडूंगरगढ़ प्रांत की समीक्षा व कार्ययोजना बैठक रघुकुल राजपूत छात्रावास में 9 मार्च को आयोजित हुई जिसमें आगामी अप्रैल माह में आयोजित होने वाले दम्पती शिविर व मई में आयोजित होने वाले ग्रीष्मकालीन उच्च प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। संघशक्ति व पथप्रेरक के सदस्यता अभियान पर भी मंडल प्रमुखों से चर्चा की गई। कार्यक्रम में संभाग प्रमुख रेवंतसिंह जाखासर व प्रांत प्रमुख जेठूसिंह पुन्दलसर सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

राजीव गांधी पंचायती राज संगठन में जिलाध्यक्ष मनोनीत

प्रदेश में पंचायती राज चुनाव से पूर्व कांग्रेस के राजीव गांधी पंचायती राज संगठन द्वारा राजस्थान में 45 जिलाध्यक्षों की नियुक्तियां की गई हैं जिनमें 5 जिलाध्यक्ष राजपूत समाज से नियुक्त किए गए। 3 मार्च को संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सी बी यादव द्वारा इस संबंध में नियुक्ति आदेश जारी किए गए। नवनियुक्त राजपूत जिलाध्यक्षों की सूची इस प्रकार है :-

1. सिरोही - भवानी सिंह भटाना 2. जोधपुर ग्रामीण - श्रवण सिंह जोधा
3. भीलवाड़ा ग्रामीण - कृष्णा सिंह राठौड़ 4. सीकर - प्रभुदयाल शेखावत
5. झालावाड़ - जोरावर सिंह

आलासन में स्नेहमिलन व नशामुक्त ढूंढोत्सव की पहल

11 मार्च को जालौर जिले के आलासन गांव में श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक रणजीत सिंह आलासन के पुत्र के ढूंढोत्सव के अवसर पर अनुकरणीय पहल करते हुए पूरे आयोजन को नशामुक्त रखा गया। इस अवसर पर श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवकों का स्नेहमिलन भी आयोजित किया गया। संघ के जालौर संभाग प्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी ने सहयोगियों से उदयपुर में आयोजित होने जा रहे आगामी उच्च प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों को लेकर चर्चा की एवं शिविर की पात्रता रखने वाले स्वयंसेवकों से संपर्क करने की योजना बनाई। संघशक्ति व पथप्रेरक की सदस्यता बढ़ाने पर भी चर्चा की गई और क्षेत्रवार लक्ष्य तय किए गए। बालोतरा संभाग प्रमुख मूल सिंह काठाड़ी, वरिष्ठ स्वयंसेवक पाबूदान सिंह दौलतपुरा, नीर सिंह सिंघाना भी जालौर व महाराष्ट्र के स्वयंसेवकों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। समस्त ग्रामवासियों ने रणजीत सिंह और उनके पिता जोध सिंह की इस पहल की सराहना करते की।

श्री राजपूत अधिकारी कर्मचारी संघ टोंक के चुनाव

9 मार्च को श्री जगदंबा राजपूत छात्रावास में श्री राजपूत अधिकारी कर्मचारी संघ टोंक के जिला अध्यक्ष पद का चुनाव संपन्न हुआ। शंकर सिंह राजावत की अध्यक्षता में हुए चुनाव में सर्व सम्मति से अवनीश सिंह नरूका को जिलाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। महामंत्री पद पर महावीर सिंह सोलंकी दाखिया को मनोनीत किया गया। इस अवसर जिला संरक्षक/सयोंजक राम सिंह राजावत, शंकर सिंह पीपलू, अरविंद सिंह सोलंकी, शंभू सिंह देवली, राज सिंह नरूका, अजय सिंह सोलंकी, टोडाराय सिंह, गणपत सिंह राजावत, भंवर सिंह नरूका, पुष्पेंद्र सिंह नरूका, दिलीप सिंह निवाई, कान सिंह चबराना, भगवान सिंह राजावत, रघुवीर सिंह सोलंकी, किशन सिंह नरूका, गजेंद्र सिंह दुनी, जितेंद्र सिंह राजावत, महावीर सिंह, अजय राज सिंह सोलंकी आदि समाजबंधु उपस्थित रहे।

(पृष्ठ एक का शेष)

पूर्वजों के...

यह बुराई है या अच्छाई है, अलग-अलग व्यक्ति अलग-अलग दृष्टिकोण से इसका उत्तर दे सकते हैं। अच्छाई के रूप में यदि हम देखें तो कह सकते हैं कि यह हमारी हमारी जाति की, हमारे कौम की जागरूकता है। इन संस्थाओं के माध्यम से लोग समाज में जागृति का शंख फूंकने का प्रयास करते हैं। कोई भी संस्था जब प्रारंभ होती है तो किसी अच्छाई को लेकर ही प्रारंभ होती है। उसकी शुरूआत किसी प्रेरणा के फलस्वरुप ही होती है, उसकी शुरूआत के पीछे त्याग होता है। वह प्रेरणा और त्याग कालांतर समाप्त हो जाता है और तब या तो वह संस्था बंद हो जाती हैं अथवा उस संस्था पर कलुष छा जाता है और उसमें व्यक्तिवाद हावी हो जाता है। जब व्यक्तिवाद बढ़ जाता है तो संस्था हो, परिवार अथवा समाज हो, उनका पतन प्रारंभ हो जाता है।

प्रवास के दूसरे दिन 9 मार्च को प्रथम कार्यक्रम नाना रेहा गांव में और दूसरा कार्यक्रम गजोड़ स्थित श्री लाखीयारजी दादा के मंदिर प्रांगण में स्थित श्री क्षत्रिय समाज वाडी में आयोजित हुआ। इनमें संघप्रमुख श्री ने कहा कि जो साधु जनों की रक्षा और दुष्ट जनों का संहार करता है वह क्षत्रिय है। क्या हम ऐसा करते हैं? हम कहेंगे कि हमारे पास तो वह शक्ति ही नहीं है तो हम कैसे यह कार्य करें। तो क्या हम उस शक्ति को जुटाने का प्रयत्न कर रहे हैं? यदि नहीं कर रहे हैं तो क्या हम स्वयं को क्षत्रिय कह सकते हैं? संघ अपनी शाखाओं और शिविरों के माध्यम से यह व्यवहारिक ज्ञान और प्रशिक्षण प्रदान करता है कि किस प्रकार से हम उस शक्ति को जुटा सकते हैं, क्षत्रिय के रूप में अपने उस कर्तव्य का पालन कर सकते हैं। जिस स्वाभिमान की रक्षा के लिए हमारे पूर्वजों ने जौहर और शाके किए, उस स्वाभिमान की रक्षा हम आज के समय में किस प्रकार कर सकते हैं, इसका शिक्षण संघ देता है। संघ उस शक्ति का सृजन तोप, तलवार अथवा बंदूक से नहीं कर रहा है बल्कि एकता और संगठन से कर रहा है। हम एक होकर चलना सीख जाएं, एक लक्ष्य और एक मार्ग को अंगीकार करके जीवन जीना सीख जाएं, तब उस शक्ति का सृजन होगा। प्रेम और त्याग के माध्यम से संघ उस शक्ति का निर्माण कर रहा है। हम अपनी कौम के प्रति अपनी पीड़ा को जगाएं, इसीलिए इस प्रकार के कार्यक्रमों में आपको बुलाया जाता है और उस पांचजन्य शंख को फूंकने का कार्य किया जाता है जिससे हमारे पूरे समाज में जागृति आ जाए।

तीसरा कार्यक्रम श्री क्षत्रिय समाज वाड़ी मुंद्रा में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में तन सिंह बिजावा ने पूज्य श्री तनसिंह जी एवं श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय प्रस्तुत किया। गजेंद्र सिंह नविनार ने भी अपने विचार रखते हुए समाज को संगठन के महत्व के प्रति जागरूक बनाने और शिक्षा के महत्व को समझाने की बात कही। इसके पश्चात चौथा कार्यक्रम भुजपुर गांव में स्थित समाज वाड़ी में शाम 7:00 बजे आयोजित हुआ जिसमें संघप्रमुख श्री ने कहा कि आज जिस शिक्षा को लेकर व्यक्ति अपने को गौरवान्वित महसूस करता है उस शिक्षा का वास्तव में परिणाम क्या हो रहा है? रोज जो हम समाचार पत्र पढ़ते हैं उसमें अनाचार, दुराचार, भ्रष्टाचार, बलात्कार आदि की खबरें भरी रहती हैं, तो क्या यही उस शिक्षा का परिणाम है? जब सड़क से लेकर संसद तक इसी प्रकार की आपाधापी मची हुई है तब फिर उस शिक्षा का महत्व कहां रहा? शिक्षा के बढ़ते स्तर के साथ संसार में मानवता का स्तर गिरता जा रहा है। इसीलिए पूज्य तनसिंह जी ने संघ की स्थापना की ताकि समाज को वे संस्कार दिए जा सकें, जिन्हें आज की शिक्षा पद्धति नहीं दे पा रही है। कार्यक्रम में दिग्विजय सिंह पलवाड़ा ने संघ के उद्देश्य व कार्य प्रणाली के बारे में जानकारी दी। 10 मार्च को नखत्राणा तहसील के बीबर गांव में एवं भुज तहसील के झूरा केम्प गांव में स्नेहमिलन आयोजित हुए। माननीय संघप्रमुख श्री ने उपस्थित समाजबंधुओ से संवाद करते हुए समाज की भावी पीढ़ी में क्षत्रियोचित संस्कारों के निर्माण के दृष्टिकोण से श्री क्षत्रिय युवक संघ की आवश्यकता के बारे में बताया और सभी से अपने परिवार के बालक-बालिकाओं को संघ से जोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जैसा हमारा जीवन जीने का अभ्यास होता है वैसा ही हमारा चरित्र बनता है। इसीलिए संघ हमें इस प्रकार का अभ्यास कराना चाहता है जिससे हमारे भीतर क्षत्रिय चरित्र विकसित हो सके। यह जीवन भर के अभ्यास का कार्य है इसलिए यह बाल्य काल से ही प्रारंभ होना उचित है। आप अपने परिवार के बालक बालिकाओं को संघ के शिविरों और शाखाओं में भेजें जिससे हमारी आने वाली पीढ़ी संस्कारित होकर समाज और राष्ट्र को पुनः ऊंचाइयों पर ले जा सके। स्थानीय संत जगजीवनदास महाराज ने भी आशीर्वचन प्रदान करते हुए क्षात्रधर्म का पालन करने की बात कही। उल्लेखनीय है कि झूरा केम्प गांव मूल रूप से पाकिस्तान से आए हुए सोढ़ा राजपूतों का बसाया हुआ है। सन 1971 में जब भारत पाकिस्तान का युद्ध हुआ तब वहां से कुछ लोग सोढ़ा राजपूतों के नेतृत्व में कच्छ की ओर निकले जिन्होंने आगे चलकर झूरा केम्प गांव बसाया। इसमें लगभग 350 घर राजपूतों के हैं। यहां पिछले 8 महीने से संघ की शाखा भी लग रही है। 10 मार्च की रात्रि को माननीय संघप्रमुख श्री रेल मार्ग से जयपुर हेतु रवाना हुए। केंद्रीय कार्यकारी महेन्द्र सिंह पांची, संभाग प्रमुख प्रवीण सिंह धोलेरा, वरिष्ठ स्वयंसेवक शक्ति सिंह कोटडा नायानी, तन सिंह बिजावा पुरी यात्रा में साथ रहे। वीरेंद्र सिंह यशवाड़ा, यशपाल सिंह जामोड़ी, राजेंद्र सिंह मोरचंद, हुकूमत सिंह भुजपुर, पृथ्वीराज सिंह नाना रेहा, ध्रुवराज सिंह जाखोतरा आदि ने स्थानीय समाजबंधुओ के साथ मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला।

कार्यक्षेत्र...उन्होंने आगे कहा कि परिसीमन की प्रक्रिया के बारे में आज की कार्यशाला में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह जी राठौड़ द्वारा जो जानकारी दी गई है, उसके अनुसार हम सब को सक्रिय होकर कार्य करना है। हमारी निष्क्रियता के कारण कहीं हमारा समाज इस प्रक्रिया में उपेक्षित ना रह जाए, इसकी हमें सावधानी रखनी है। इससे पूर्व राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों को पंचायती राज परिसीमन की पूरी प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी एवं कहा कि लोकतंत्र के विद्यार्थी के लिए पंचायती राज पहली पाठशाला है। मेरा अपना अनुभव है कि संसद और विधानसभा में चुनकर आने वालों में बड़ी संख्या उन लोगों की होती है जिनका राजनीतिक जीवन किसी ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, सहकारी संस्था अथवा स्थानीय निकाय की छोटी इकाई से प्रारंभ हुआ था। इनके अतिरिक्त राजनीति में वे लोग आगे आते हैं जिनका राजनीतिक जीवन छात्र राजनीति से प्रारंभ होता है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि स्थानीय निकाय और छात्रसंघ वे कारखाने हैं जो आने वाले भविष्य के राजनीतिज्ञों को तैयार करते हैं। इसलिए पंचायती राज परिसीमन की प्रक्रिया को लेकर हमें समय पर सक्रिय होना चाहिए और अन्य समाजबंधुओ को भी इस संबंध में जागरूक करना चाहिए। कार्यशाला में समाज के अनेकों जन प्रतिनिधियों ने पूर्व नेता प्रतिपक्ष से इस विषय में प्रश्न पूछकर अपनी शंकाओं का निवारण किया एवं किन सावधानियों का इस प्रक्रिया में ध्यान रखना है, इस पर विस्तार से जानकारी हासिल की। कार्यशाला के दौरान संघ के संरक्षक माननीय भगवान सिंह जी रोलबसाहबसर का सान्निध्य भी प्राप्त हुआ।

बाड़मेर में सीयूईटी परीक्षा पर सेमिनार का आयोजन

बाड़मेर स्थित श्री मल्लीनाथ शैक्षणिक छात्रावास में 11 मार्च को श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश हेतु आयोजित परीक्षा सीयूईटी (सेंट्रल यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट) की जानकारी से संबंधित सेमिनार आयोजित की गयी जिसमें बाड़मेर शहर के 12वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने भाग लिया। सेमिनार में फाउंडेशन के सदस्य कान सिंह खारा ने आवेदन की प्रक्रिया, शुल्क और विषयों का चयन आदि से संबंधित विद्यार्थियों के विभिन्न प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए सीयूईटी परीक्षा के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान फाउंडेशन के केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य महेंद्र सिंह तारातरा सहित गणपत सिंह हुरो का तला, अशोक सिंह भीखसर, राजू सिंह रोहिली आदि सहयोगी उपस्थित रहे।

होली स्नेहमिलन में किया छात्रावास की नवीन कार्यकारिणी का मनोनयन

श्री रघूकुल राजपूत छात्रावास श्रीडूंगरगढ़ में राजपूत समाज के होली स्नेहमिलन व विचार गोष्ठी का आयोजन 9 मार्च को किया गया जिसमें छात्रावास के विकास हेतु नवीन कार्यकारिणी भी गठित की गई। नवीन कार्यकारिणी में कल्याण सिंह झंझेऊ को अध्यक्ष, हरीसिंह गुसाईंसर को उपाध्यक्ष, भागीरथसिंह धर्मास को कोषाध्यक्ष, महेंद्र सिंह झंझेऊ को सचिव का दायित्व सौंपा गया एवं अन्य 21 सदस्य भी मनोनीत किए गए। जयसिंह पुन्दलसर ने कोष का लेखा-जोखा सामने रखा। कार्यक्रम का संचालन एड. भरतसिंह सेरूणा ने किया। कार्यक्रम में पूर्व प्रधान छैलूसिंह शेखावत, पूर्व सरपंच रतनसिंह केऊ, भंवरसिंह झंझेऊ, महेंद्र सिंह लखासर, रणवीरसिंह खींची, गणेशसिंह बीका, लूणसिंह, छोटुसिंह, रिछपालसिंह केकेसी, रणवीरसिंह सेरूणा, कल्याणसिंह जैसलसर, आसु सिंह जाखासर, रणवीरसिंह नारसीसर, भंवरसिंह, मदनसिंह मिंगसरिया, जितेन्द्रसिंह सातलेरा, महेंद्रसिंह जालबसर, भागीरथसिंह, नरपतसिंह, जगदीशसिंह सुरजनवासी सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे।

बलवंत सिंह मूलाना को पितृशोक

श्री हुकम सिंह जी

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक बलवंत सिंह मूलाना के पिता **श्री हुकम सिंह जी मूलाना** का देहावसान 10 मार्च 2025 को हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

भंवर सिंह लूंछ का देहावसान

भंवर सिंह जी लूंछ

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक **भंवर सिंह जी लूंछ** का देहावसान 26 फरवरी 2025 को हो गया। उन्होंने अपने जीवन काल में श्री क्षत्रिय युवक संघ के 15 शिविर किए जिनमें दो उच्च प्रशिक्षण शिविर, आठ माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर एवं पांच प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर शामिल हैं। अगस्त 1956 में चूरू में आयोजित प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर उनका प्रथम शिविर था। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

बालोतरा राजपूत छात्रावास का प्रतिभा सम्मान व वार्षिकोत्सव समारोह

बालोतरा जिला मुख्यालय पर स्थित श्री वीर दुगार्दास राजपूत छात्रावास में राजपूत समाज का जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह एवं छात्रावास का वार्षिकोत्सव 3 मार्च को आयोजित हुआ। कार्यक्रम में 12वीं व 10वीं कक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने वाले खिलाड़ियों एवं नव चयनित व सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बालोतरा प्रधान भगवत सिंह जसोल ने कहा कि हमारे संस्कार और हमारी शिक्षा से ही हमारे जीवन की दिशा तय होती है।

इसलिए विद्यार्थी को अपनी शिक्षा के साथ अपने संस्कारों को लेकर भी जागृत रहना आवश्यक है। इसलिए सदैव अच्छी संगत में रहने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि आप आगे जहां भी जाएं, इस छात्रावास से मिले शिक्षण व संस्कारों को सदैव याद रखें और उसी के अनुरूप आचरण करके अपने परिवार और समाज को गौरवान्वित करें। पचपदरा विधायक डॉ अरुण चौधरी ने कहा कि परिश्रम और ईमानदारी के गुण जिसमें होते हैं वही जीवन में आगे बढ़ सकता है। ईमानदारी के मार्ग पर कठिनाई आने पर भी उसे छोड़ना नहीं चाहिए क्योंकि अन्त में ईमानदारी और सत्य की ही विजय होती है। उन्होंने कहा कि जो भी कार्य करें उसे पूरी लगन के साथ करें। हम जिन लोगों को जीवन में ऊंचाइयों पर पहुंचते हुए देखते हैं वे भी हमारे बीच से ही निकलते हैं। उनके परिश्रम और निष्ठा ने ही उन्हें वहां पहुंचाया है और इन्हीं गुणों को अपनाकर हम भी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। छात्रावास के कार्यकारी अध्यक्ष भवानी सिंह टापरा ने छात्रावास में विद्यार्थियों हेतु उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी दी, साथ ही छात्रावास के विकास हेतु भविष्य की कार्य योजना को भी उपस्थित समाजबंधुओ के सामने रखा। छात्रावास के महामंत्री चंदन सिंह चांदसरा ने कार्यक्रम की भूमिका पर प्रकाश डाला। छात्रावास अधीक्षक बलवंत सिंह कोटडी ने छात्रावास का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। पाटौदी उप प्रधान नखत सिंह कालेवा, पूर्व प्रधान हरि सिंह उमरलाई, पंचायत समिति सदस्य देवेंद्र करण, तहसीलदार शैतान सिंह चौहान, भाजपा ब्लॉक अध्यक्ष गणपत सिंह भाटी, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष विक्रम सिंह थोब सहित अनेको गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित रहे। श्री क्षत्रिय युवक संघ के संभाग प्रमुख मूल सिंह काठाड़ी भी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

सायला में मनाई राणा चच्चदेव की 1058वीं जयंती

दहिया वंश के कुल पुरुष व नागौर के शासक राणा चच्चदेव दहिया की 1058वीं जयंती के उपलक्ष्य में जालौर जिले के सायला में 4 मार्च को वाहन रैली का आयोजन किया गया। सायला उपखंड मुख्यालय स्थित कात्यायनी माता मंदिर से रवाना होकर यह रैली राणा चच्चदेव सर्कल, वालेरा, मोकनी फाटा होते हुए गढ़ बावतरा स्थित कैवाय माता मंदिर पहुंची। रैली में दहियावटी के 64 गांवों से समाजबंधु शामिल हुए। स्थान-स्थान पर नगरवासियों द्वारा पुष्प वर्षा कर रैली का स्वागत किया गया। रैली की समाप्ति पर कैवाय माता मंदिर में सभा का आयोजन किया गया। सभा को संबोधित करते हुए श्री क्षत्रिय युवक संघ के जालौर संभाग प्रमुख अर्जुनसिंह देलदरी ने कहा कि राणा चच्चदेव का जीवन सभी के लिए प्रेरणादायक है। केवल राजपूत कुल

में जन्म ले लेना ही क्षत्रिय होने की कसौटी नहीं है बल्कि क्षत्रिय बनने के लिए क्षत्रियोचित गुणों को धारण करना पड़ता है। क्षात्रधर्म का पालन करने वाला ही सच्चा क्षत्रिय होता है। उन्होंने भगवान राम, राणा सांगा, वीर दुगार्दास राठौड़, गौतम बुद्ध जैसे क्षत्रिय महापुरुषों के पद चिह्नों पर चलने की बात कही। भाजपा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष जसराज राजपुरोहित ने कहा कि हमें महापुरुषों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र, धर्म और संस्कृति की रक्षा का कार्य करना चाहिए। उन्होंने सभी को साथ लेकर चलने की बात कही। बीजेपी नेता टीकमसिंह राणावत ने भी सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान कुल पुरुष राणा चच्चदेव के साथ दहिया वंश के आदि पुरुष महर्षि दधीचि को भी नमन किया गया। इस अवसर पर गोल महंत आशा भारती महाराज, कल्याणसिंह तूरा सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

राजकोट में 21वें कौशल पुरस्कार समारोह का आयोजन

महाराणा प्रताप स्मृति संस्थान राजकोट के तत्वावधान में गुजरात के राजकोट स्थित हेमू गढ़वी हॉल में 9 मार्च को 21वें कौशल पुरस्कार समारोह (स्किल अवार्ड सेरेमनी) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला ने कहा कि भगवद्गीता में कहा गया है कि कर्म की कुशलता ही योग है। इसलिए हम जो भी कार्य करते हैं उसे कुशलतापूर्वक करना चाहिए। कौशलपूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने वाली समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए ऐसे आयोजन निरंतर होते रहने चाहिए। विधायक जयेंद्र सिंह परमार, पूर्व राज्य मंत्री धर्मेंद्र सिंह जाड़ेजा, पूर्व प्रदेश भाजपा महामंत्री प्रदीप सिंह वाघेला, जीटीपीएल के प्रबंध निदेशक अनिरुद्ध सिंह जाडेजा आदि ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया एवं कहा कि हमें अपने अपने कार्यक्षेत्र में कुशलता एवं निष्ठा के साथ कार्य करना चाहिए जिससे हमारे समाज की विशिष्ट पहचान बने। समारोह में पुलिस, खेल, एनसीसी सहित विभिन्न क्षेत्रों में श्रेष्ठ कौशल का प्रदर्शन करने वाली गुजरात के राजपूत समाज की 90 से अधिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। संस्था के प्रमुख योगीराज सिंह जाबिडा ने अन्य कार्यकताओं के सहयोग से व्यवस्था का दायित्व संभाला।

मातृशक्ति शाखाओं में मनाया फागोत्सव

श्री क्षत्रिय युवक संघ की विभिन्न शाखाओं में मातृशक्ति द्वारा होली स्नेहमिलन व फागोत्सव का आयोजन किया गया। मुंबई में दुर्गा महिला शाखा भायंदर की स्वयंसेविकाओं द्वारा 02 मार्च को होली स्नेह मिलन का आयोजन किया गया जिसमें भायंदर में रहने वाली बालिकाओं और महिलाओं ने हर्षोल्लास से फागोत्सव मनाया। जालौर जिले के आकोली में लगने वाली श्री क्षत्रिय युवक संघ की माँ भवानी मातृशक्ति शाखा की स्वयंसेविकाओं द्वारा भी 02 मार्च को फागोत्सव मनाया गया। रानीवाड़ा प्रांत की राजलक्ष्मी शाखा जोड़वास में भी 8 मार्च को शिक्षण प्रमुख काजल कंवर व अन्य स्वयंसेविकाओं ने फागोत्सव मनाया एवं एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं। इसी प्रकार 11 मार्च को केन्द्रीय कार्यालय संघशक्ति में फागोत्सव मनाया गया जिसमें कार्यालय के पड़ौस में रहने वाली महिलाएं शामिल हुई।

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (स्वत्वाधिकारी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक राजेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डी बी कॉर्प लिमिटेड, प्लोट नंबर-01, मंगलम कनक वाटिका के पीछे, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, रेल्वे क्रोसिंग के पास, बिलवा, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर (राजस्थान)-303903 (दूरभाष- 6658888) से मुद्रित एवं ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 (दूरभाष- 2466353) से प्रकाशित। संपादक- राजेंद्र सिंह राठौड़।
Email- pathprerak1997@gmail.com Website- www.shrikys.org